हस्त-पत्रक -1/2

कंचा

कंचे ग्रामीण अंचल का खेल है । गाँव के बच्चे कंचे न मिलने पर मिट्टी की गोलियां, छोटे-छोटे आलू से, तथा बकेन के फलों से ही खेला करते थे । इसके साथ ही गाँव के बच्चे गुल्ली डंडा ,कुश्ती और कबड्डी के खेल भी खेलते थे । क्योंकि उन्हें शहर जैसे खेल उपलब्ध नहीं हो पाते हैं ।

प्रस्तुत पाठ एक आंचलिक कहानी है जिसके लेखक टी पद्मनाभाम जी है। हमारे समाज में सभी वर्गो निम्न, मध्यम और उच्च स्तर के लोग रहते है। निम्न स्तर के गरीब लोग मध्यम और उच्च स्तर के लोगों खेल की बराबरी करना चाहते है परंतु धनाभाव के कारण वे अपनी इच्छाओं को दबाकर रह जाते है। यहाँ एक अप्पू नाम के गरीब बच्चे की मर्म स्पर्शी कहानी है जो अपने स्कूल की फीस से ही कंचे खरीद लेता है। प्रेमचंद की ईदगाह कहानी में भी एक ऐसे हामिद नाम के बच्चे की भावुक कहानी है जो अपने खिलौने खरीदने के पैसों से चिमटा खरीद लेता है क्योंकि उसकी दादी के हाथ रोटी बनाते समय जल जाते है। आज इस गरीबी-अमीरी के अंतर को मिटाने कि आवश्यकता है। अमीरों को चाहिए कि गरीबों की भलाई के लिए कार्य करें। सरकार को भी ऐसे कदम उठाने चाहिए जिससे गरीबों के बच्चे भी शिक्षा पा सके तथा अपने इच्छित खिलौनों से खेल सके। यहाँ हामिद और अप्पू की विचार धारा में थोड़ा अंदर दिखाई दे रहा है। एक तरफ अप्पू है जिसकी माँ गरीब है। वह अप्पू को स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे देती जिससे वह कंचे खरीद लेता है तथा दूसरी तरफ समझदार हामिद अपने पैसों से चिमटा खरीद लेता है क्योंकि वह देखता था कि रोटी बनाते समय उसकी दादी के हाथ जल जाते है। आज आवश्यकता इस बात कि है कि बच्चे समझदार, संवेदनशील एवं विवेकशील बने तथा अपने घर की स्थिति को समझकर पढे, लिखे तथा खेलें।

पाठ का सार

अप्पू का घर से विद्यालय की ओर जाना :- कंधे पर बस्ता लटकाए अप्पू अपने-आप में मस्त विद्यालय की ओर जा रहा था | सियार और कौए की कहानी उसके दिमाग में चल रही थी | सियार ने कौए से कहा - 'प्यारे कौए, एक गाना गाओ न, तुम्हारा गाना सुनने के लिए तरस रहा हूँ |" कौए ने गाने के लिए मुंह खोला तो उसके मुंह में फँसी रोटी का टुकड़ा

नीचे गिर गया | सियार रोटी का टुकड़ा लेकर भाग गया | अप्पू अपने आप में हँस दिया | 'बुद्धू कौआ' सियार की चालाकी भी न समझ पाया |

जार में कंचे देखना :- राह में चलते-चलते उसने एक दुकान की अलमारी में काँच के बड़े-बड़े जार देखे जिनमें चाकलेट, पिपरमेंट और बिस्कुट थे | उसकी नज़र उन पर तो नहीं टिकी | वह आकर्षित हुआ उस जार से जिसमें कंचे रखे थे | हरी लकीर वाले बढ़िया सफ़ेद गोल कंचे | बड़े आँवले जैसे | वह तो मानो कंचों की दुनिया में ही खो गया | उसे देखते-देखते लगा कि वह जार आसमान-सा बड़ा होने लगा और वह भी उसके भीतर आ गया | वहाँ कोई लड़का न था फिर भी उसे वह पसंद आ रहा था वैसे भी उसे अकेले खेलने की आदत थी क्योंकि छोटी बहन की मृत्यु के पश्चात् वह अकेला ही खेलता था |

वास्तविकता में आना :- थोड़ी देर तक तो वह कंचों की दुनिया में ही खोया रहा | जब दुकानदार ने उसे आवाज़ लगाई कि लड़के तू तो जार को नीचे ही गिरा देगा तो वह चौंक उठा | दुकानदार ने पूछा कि 'क्या कंचा चाहिए?' तो उसने 'नहीं लेना' सोचकर सर हिला दिया |

विद्यालय की घंटी बजना :- स्कूल की घंटी बजी वह बस्ता थामे दौड़ पड़ा | क्योंकि उसे मालूम था कि देर से पहुँचने वालों को पिछली बैंच पर बैठना पड़ता है | उस दिन देर से पहुँचाने पर वह स्वयं ही सबसे पीछे जाकर बैठ गया |

मित्रों को खोजना :- पिछले बैंच पर बैठने पर भी वह सभी मित्रों को देखने लगा कि कौन कहाँ बैठा है | रामन, अन्नू, मल्लिका उसने सबको देखा लेकिन न जाने क्यों उसकी आँखें जॉर्ज को खोज रही थी | उसका दिमाग तो कंचों में खोया था और उसे पता था कि कंचों में जॉर्ज को मात नहीं दे सकता | रामन से उसे पता चल गया कि वह आज बीमार है इसलिए नहीं आया |

मास्टर जी का पढ़ाना :- अप्पू ने हड़बड़ी में पुस्तक खोली और जाना कि मास्टर जी 'रेलगाड़ी' का पाठ पढ़ा रहे हैं | वे बताते जा रहे हैं कि तुम में से कई बच्चों ने रेलगाड़ी देखी होगी | इसे भाप की गाड़ी भी कहते हैं | इसमें पानी डालने के स्थान को बॉयलर कहते हैं | यह एक लोहे का बड़ा पीपा होता है |

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

(क) अप्पू को दुकान के ज़ारों में रखे कंचे ही क्यों आकर्षित करते हैं, अन्य चीजे क्यों नहीं?
उत्तर-
अप्पू को उसके पिता जी सारी चीजे लाकर देते थे, लेकिन कंचे उसने पहली बार देखा था। इसलिए उसका ध्यान केवल कंचों पर जाता है।

(ख) कंचे देखकर अप्पू का मन कक्षा में क्यों नहीं लग रहा था?
उत्तर-
अप्पू ने जब विद्यालय जाने के समय एक दुकानदार के पास जार में कंचे देख लिए तो उसका दिल और दिमाग कंचों में ही खो गया। वह उसे खरीदने की तरकीब खोजने लगा। उसका ध्यान कक्षा में नहीं था। वह तो कंचों की दुनिया में खोया रहता था। वह सोचता है कि जॉर्ज के आते ही वह कंचे खरीदने जाएगा और उसके साथ खेलेगा।

(ग) कंचों को देखकर सबसे पहले अप्पू क्या सोचता है?
उत्तर-
कंचों को देखकर अप्पू सोचता है कि पहले ये कंचे दुकान में नहीं थे। शायद दुकानदार ने इन्हें अभी-अभी यहाँ रखा है।

(घ) कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी कौन है?
उत्तर-
कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी लड़कों के बीच में जॉर्ज है।